SEVEN SQUARE ACADEMY
Academic Year – 2020-2021
Secondary Section (PA II - Revision)

नाम :_____ विषय : हिंदी दिनांक : २३/१०/२०२०

कक्षा :दसवीं कुल अंक :५० निर्धारित समय : १ घंटा ३० मिनट

निर्देश :- १. प्रश्न पत्र के दो खंड हैं - अ और ब |
२. दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |

खंड 'अ' (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न १. (अ)निम्नलिखित अपठित गद्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-

आत्मसम्मान में अपने व्यक्तित्व को अधिकाधिक सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने की भावना निहित होती है| इससे शक्ति साहस उत्साह आदि गुणों का जन्म होता है जो जीवन की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं| आत्मसम्मान की भावना से पूर्ण व्यक्ति संघर्षों की परवाह नहीं करता है और हर विषम परिस्थिति से टक्कर लेता है | ऐसे व्यक्ति जीवन में पराजय का मुँह नहीं देखते और यश की प्राप्ति करते हैं | आत्मसम्मानी व्यक्ति धर्म, सत्य न्याय और नीति के पथ का अनुगमन करता है | उसके जीवन में ही सच्चे सुख और शान्ति का निवास होता है | परोपकार जनसेवा जैसे कार्यो में उसकी रुचि होती है | लोकप्रियता और सामाजिक प्रतिष्ठा उसे सहज ही प्राप्त होती है | ऐसे व्यक्ति में अपने राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा होती है तथा मातृभूमि की उन्नति के लिए वह अपने प्राणों का उत्सर्ग करने में सुख की अनुभूति करता है चूँकि आत्मसम्मानी व्यक्ति अपने अथवा दूसरों की आत्मा का हनन नहीं करता है इसीलिए वह ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से मुक्त होकर मानव मात्र को अपने परिवार का अंग मानता है | उसके हृदय में स्वार्थ लोभ और अहंकार का भाव नहीं होता | निश्छल हृदय होने के कारण वह आसुरी प्रवृत्तियों से सर्वथा मुक्त होती है |

प्रश्नः

क. आत्मसम्मान में किसे सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने की भावना निहित होती है ? (१)

१. व्यक्तित्व को २. आत्मसम्मान को
३. अहंकार को ४. उपरोक्त सभी

ख. आत्मसम्मानी व्यक्ति के जीवन में शान्ति का निवास क्यों होता है ? (१)

१. क्योंकि वह धर्म सत्य न्याय और नीति के पथ का अनुगमन करता है |
२. क्योंकि सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने की भावना निहित होती है |
३. क्योंकि दूसरों की आत्मा का हनन नहीं करता है|
४. क्योंकि वह वर्तमान में जीता है |

ग. आत्मसम्मानी व्यक्ति को लोकप्रियता और सामाजिक प्रतिष्ठा कैसे प्राप्त होती है ? (१)

१. सहज ही २. असमय ही ३. स्वप्न देखकर ४. उपरोक्त सभी

Scanned with CamScanner

घ. आत्मसम्मानी व्यक्ति किन भावनाओं से मुक्त रहता है ? (१)

१. राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा से
२. ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से
३. सुख और शान्ति से
४. उपर्युक्त कोई नहीं

ड. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए। (१)

१. सुख और शान्ति
२. ईर्ष्या-द्वेष
३. आत्म सम्मानी व्यक्ति
४. सामाजिक प्रतिष्ठा

(आ) प्रकृति के कण-कण में संगीत व्याप्त है | आपने कभी हवाओं की सीटियाँ महसूस की हैं , सूखे पत्तों की खरखराहट का मीठा राग सुना है , हवा की लय पर फूलों की पंखुड़ियों को थरथराते देखा है या वर्षा की बूंदों के संगीत ने कभी आपके मन को छुआ है ? प्रकृति के इस संगीत को मनुष्य चेतना के श्रवण रंध्रों से सुना जा सकता है | कहते हैं मौन सबसे ज़्यादा बोलता है पर सुनने के लिए मन के कान खुले होने चाहिए | खामोशी भी एक भाषा होती है , जो सिर्फ़ महसूस की जा सकती है | खूबसूरत फूलों का गुलदस्ता खामोश रहकर भी महक लुटाता है | मील का पत्थर बेजुबान होकर भी पथिकों को राह दिखाता है | दीया खुद जलकर रोशनी लुटाता है| आंतरिक सौंदर्य का आह्वान करना कठिन है क्योंकि उसकी अपनी भाषा होती है | ऐसी भाषा जिसमें न शब्द होते हैं न आवाज़ |मौन में असीम शक्ति विद्यमान है | एक बार किसी प्रांत के दारोगा यात्रा के दौरान एक संत के आश्रम के पास से गुज़र रहे थे | संत के प्रति सम्मान प्रकट करने और ज्ञान प्राप्ति की इच्छा से वे आश्रम में चले गए | उन्होंने संत से विनम्र शब्दों में कहा ,"राज्य की देखभाल करने में मेरा लगभग पूरा समय लग जाता है | चाहते हुए भी मैं सत्संग आदि में भाग नहीं ले सकता | क्या आप मेरे जैसे व्यस्त आदमी के लिए एक या दो वाक्यों में धर्म का सार बता सकते हैं ?" संत ने उत्तर दिया ," मैं आपके हित के लिए इसे केवल एक शब्द में ही बता सकता हूँ |" 'अद्भुत' और वह शब्द क्या है ? 'मौन ' और मौन किसकी तरफ़ ले जाता है ? 'ध्यान 'और ध्यान क्या है ? "ऋषि -मुनियों के अनुसार मौन साधना से वे सब सिद्धियाँ मिल जाती हैं जो अन्य कठिन साधनाओं से भी प्राप्त नहीं होती | प्रकृति की आवाज़ सुनने के लिए वे अपनी आवाज़ को विराम दे देते थे |" संत ने कहा |

प्रश्नः

क. प्रकृति के कण-कण में क्या व्याप्त है ? (१)

१. सत्संग
२. मौन साधना
३. संगीत
४. धैर्य

ख. प्रकृति के संगीत को किससे सुना जा सकता है ? (१)

१. साधना के माध्यम से
२. मनुष्य चेतना के श्रवण रंध्रों के माध्यम से
३. परिश्रम से
४. उपर्युक्त कोई नहीं

ग. आंतरिक सौंदर्य का आह्वान करना कठिन क्यों है ? (१)

१. क्योंकि वह आपके हित के लिए है |
२. क्योंकि वह साधना है |
३. क्योंकि उसकी अपनी भाषा होती है |
४. इनमें से कोई नहीं

घ. धर्म का सार क्या है ? (१)

१. साधना
२. परहित
३. मौन
४. उपरोक्त सभी

ड. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है : (१)

१. धैर्य
२. मौन
३. प्रकृति की आवाज
४. इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

प्रश्न २ . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्पों में से चुनकर लिखिए -

क . मोहन विद्यालय जाता है | (१)

१ . सरल वाक्य २ . संयुक्त वाक्य ३ . मिश्र वाक्य ४ . इनमें से कोई नहीं

ख . 'शेखी बघारना' मुहावरे का अर्थ है | (१)

१ . अपनी झूठी प्रशंसा करना २ . नाराज़ होना

३ . झूठ बोलना ४ . जल उठना

ग . 'हाथ न आना' मुहावरे का अर्थ है | (१)

१ . अकड़ जाना २ . सजा देना

३ . पकड़ा न जाना ४ . जल उठना

घ . गायक मधुर गीत गा रहा है | रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए - (१)

१ . संज्ञा पदबंध २ . सर्वनाम पदबंध

३ . विशेषण पदबंध ४ . क्रिया पदबंध

ङ . बच्चा पढ़ते - पढ़ते सो गया | रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए - (१)

१ . संज्ञा पदबंध २ . सर्वनाम पदबंध

३ . क्रिया पदबंध ४ . अव्यय पदबंध

च . कक्षा में शोर मचाने वाले तुम आज क्यों चुप हो ? रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए - (१)

१ . संज्ञा पदबंध २ . सर्वनाम पदबंध

३ . क्रिया पदबंध ४ . अव्यय पदबंध

छ . 'प्रतिक्षण' समस्तपद का सही विग्रह क्या होगा ? (१)

१ . प्रत्येक क्षण २ . अनेक क्षण

३ . प्रत्येक दिन ४ . हर समय

ज . 'पथ से भ्रष्ट' का समस्तपद क्या होगा ? (१)

१ . पथ ही भ्रष्ट २ . पथभ्रष्ट

३ . भ्रष्टपथ ४ . इनमें से कोई नहीं

झ . 'आजन्म' में कौन सा समास होगा ? (१)

१ . तत्पुरूष समास २ . कर्मधारय समास

३ . अव्ययीभाव समास ४ . इनमें से कोई नहीं

ञ . यह मेरी गुड़िया है | (१)

१ . सरल वाक्य २ . संयुक्त वाक्य

३ . मिश्र वाक्य ४ . इनमें से कोई नहीं

प्रश्न ३ . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्पों में से चुनकर लिखिए -

क . झरने क्या कर रहे हैं ? (१)

१ . गौरव गान गा रहे हैं २ . मस्त हो रहे हैं

३ . घूम रहे हैं ४ . झर रहे हैं

Scanned with CamScanner

ख . 'पर्वत प्रदेश से पावस' कविता में पानी की बूदों की तुलना किससे की गई है ? (१)

१ . नदियों से
२ . पर्वत से
३ . मोतियों की लड़ियों से
४ . इनमें से कोई नहीं

ग . 'पर्वत प्रदेश से पावस' कविता में किस ऋतु का वर्णन है? (१)

१ . पावस ऋतु
२ . शरद ऋतु
३ . वसंत ऋतु
४ . इनमें से कोई नहीं

घ . 'कर चले हम फिदा' कविता में साथियों शब्द किसके लिए संवोधित किया गया है ? (१)

१ . मित्रों के लिए
२ . देश के अन्य सैनिकों के लिए
३ . भाईचारे के लिए
४ . इनमें से कोई नहीं

ङ . 'कर चले हम फिदा' कविता हमें क्या प्रेरणा देती है? (१)

१ . देश पर मर मिटने की
२ . गाना गाने की
३ . दुश्मन करने की
४ . इनमें से कोई नहीं

खंड 'ब ' (वर्णात्मक प्रश्न)

प्रश्न ४ . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

१ . 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि में किस काफ़िले को आगे वढ़ाते रहने की वात कही गई है? (२)

२ . व्यथित तताँरा की मनोदशा कैसी थी ? (२)

३ . लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या - क्या कारण वताए ? (१)

प्रश्न ५ . 'गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा काफिला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है |' का आशय कारतूस पाठ दवारा स्पष्ट कीजिए | (५)

अथवा

'कर चले हम फ़िदा' कविता ने आपको भी भाव विभोर कर दिया ?तर्क सहित उत्तर दीजिए |

प्रश्न ६ . पूरक पठन पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (कोई दो) (४)

१ . पी . टी . साहव की 'शावाश' फ़ौज के तमगों सी क्यों लगती थी ?

२ . टोपी ने इफ्फन से दादी वदलने की वात क्यों कही?

३ . टोपी की भावात्मक परेशानियाँ क्या थीं ?

प्रश्न ७ . निम्नलिखित में से किन्हीं एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (६)

१ . आत्मनिर्भरता

संकेत विंदु : आत्मनिर्भरता का अर्थ
दुख में आत्मविश्वास की कमी
स्वंय पर भरोसा
उपसंहार /निष्कर्प

Scanned with CamScanner

२. पराधीनता को सुख कहा

संकेत विंदु : पराधीनता का अर्थ

पराधीनता का दुख

स्वतंत्रता वचाए रखना अनिवार्य

उपसंहार /निष्कर्ष

प्रश्न ८. विजली वोर्ड के मुख्याधिकारी को वार - वार विजली चले जाने पर होने वाली मुश्किलों से अवगत करवाते हुए पत्र लिखिए | (५)

अथवा

रेलवे स्टेशन पर गुम हुए सामान का विवरण देते हुए एक सूचना लिखिए |

अथवा

आपके नगर में आँखों की मुफ्त जाँच के लिए शिविर लगा हुआ है , जनता को इस वात की जानकारी देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

ALL THE BEST

Scanned with CamScanner